उपखानपचासा।

श्रीपण्डित जवाहिरलाल विरिचित

और

बाबू देवकीनन्द खत्री
मालिक "लहरी प्रेस" द्वारा प्रकाशित।

काशी।

लहरी प्रेस, लाहौरी टोला में मुद्रित।

बिना मूल्य वितरित।

सं. १९६१

केवल).।। आ० डाक महसूल भेजने से मुफ्त में भेजा जाता है।